केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

जनकपुरी , नई दिल्ली-110058

प्राक्शास्त्री (प्रथम सत्रार्द्ध)

पाठ्यक्रम, विषय: गणित

1. समुच्चय

1.1 भूमिका

1.2 समुच्चय और उनका निरूपण

1.3 रिक्त समुच्चय

1.4 परिमित और अपरिमित समुच्चय

1.5 समान समुच्चय

1.6 उपसमुच्चय

1.7 घात समुच्चय

1.8 सार्वत्रिक समुच्चय

1.9 वेन आरेख

1.10 समुच्चयों प्र संक्रियाएँ

1.11 समुच्चय का पूरक

1.12 दो समुच्चयों के सम्मिलन और सर्वनिष्ठ पर आधारित व्यावहाकि प्रश्न

2. संबंध एवं फलन

2.1 भूमिका

2.2 समुच्चयों का कार्तीय गुणन

2.3 संबंध

2.4 फलन

3. त्रिकोणमितीय फलन

3.1 भूमिका

3.2 कोण

3.3 त्रिकोणमितीय फलन

3.4 दो कोणों के योग और अंतर का त्रिकोणमितीय फलन

3.5 त्रिकोणमितीय समीकरण

4. गणितीय आगमन का सिद्धांत

4.1 भूमिका

4.2 प्रेरणा

4.3 गणितीय आगमन का सिद्धांत

5. सम्मिश्र संख्याएँ और द्विघातीय समीकरण

5.1 भूमिका

5.2 सम्मिश्र संख्याएँ

5.3 सम्मिश्र संख्याओं का बीजगणित

5.4 सम्मिश्र संख्या का मापांक और संयुग्मी

5.5 आर्गंड तल और ध्रुवीय निरूपण

5.6 द्विघातीय समीकरण

6. रैखिक असमिकाएँ

6.1 भूमिका

6.2 असमिकाएँ

6.3 एक चर राशि के रैखिक असमिकाओं का बीजगणितीय हल और उनका आलेखीय निरूपण

6.4 दो चर राशियों के रैखिक असमिकाओं का आलेखीय हल

6.5 दो चर राशियों की असमिका निकाय का हल

7. क्रमचय और संचय

7.1 भूमिका

7.2 गणना का आधारभूत सिद्धांत

7.3 क्रमचय

7.4 संचय

8. द्विपद प्रमेय

8.1 भूमिका

8.2 धन पूर्णांकों के लिए द्विपद प्रमेय

8.3 व्यापक एवं मध्य पद

पाठ्यपुस्तक : NCERT द्वारा प्रकाशित कक्षा-XI हेतु गणित विषय की पुस्तक (अध्याय-1 से 8)